प्रस्तावना

उत्तराखण्ड के कृषि आंकड़े 2012–13 एवं 2013–14 नामक पुस्तिका का प्रकाशन राज्य के सुनियोजित विकास हेतु कार्ययोजना तैयार करने के लिये किया जा रहा है। इससे पूर्व वर्ष 2000–01 से 2011–12 तक के कृषि आंकड़ो का प्रकाशन किया जा चुका है। सुविधा के लिये पुस्तिका को छः परिच्छेदों में विभाजित किया गया है।

1. प्रथम परिच्छेद में उत्तराखण्ड में वर्ष 2012–13 से 2013–14 तक के मौसम, भूमि उपयोग तथा कृषि उत्पादन की स्थिति दर्शायी गई है।
2. द्वितीय परिच्छेद में उत्तराखण्ड में भूमि उपयोगिता, विभिन्न स्रोतों द्वारा वास्तविक एवं सम्पूर्ण सिंचित क्षेत्रफल, मुख्य फसलों के अन्तर्गत सिंचित व कुल क्षेत्रफल, उत्पादन एवं औसत उपज़, चारा, तरकारियों, फलों के अन्तर्गत क्षेत्रफल, उर्वरक वितरण तथा उर्वरकों की प्रति हेक्टेयर खपत, कृषि रक्षा रसायनों का वितरण एवं प्रति हेक्टेयर खपत तथा क्रापिंग पैटर्न सम्बन्धी आंकड़े जनपदवार दिये गये हैं।
3. तृतीय परिच्छेद में उत्तराखण्ड के मण्डलवार, कृषि जलवायु क्षेत्रवार एवं पर्वतीय भाग तथा मैदानी भाग के आंकड़े दिये गये हैं।
4. चतुर्थ परिच्छेद में उत्तराखण्ड में वर्ष 2004–05 से 2013–14 तक के भूमि उपयोग व फसल उत्पादन से सम्बन्धित राज्य स्तरीय आंकड़े तथा मुख्य उत्पादों की आमद और औसत थोक बाजार भाव भी संकलित किये गये हैं।
5. पंचम परिच्छेद में भारत के विभिन्न प्रदेशों के भूमि उपयोगिता, विभिन्न फसलों के अन्तर्गत कुल क्षेत्रफल, उत्पादन एवं औसत उपज़, उर्वरक की कुल खपत तथा प्रति हेक्टेयर खपत के आंकड़े और प्रदेशवार प्रमुख जोत वर्गों के अन्तर्गत क्रियात्मक जोतों का औसत आकार, प्रदेशवार भूमि सीमा एवं न्यूनतम् मज़दूरी की दर के आंकड़े सम्मिलित किये गये हैं।
6. षष्टम परिच्छेद में विश्व के प्रमुख देशों में धान, गेहूं, मक्का, कुल धान्य, कुल दालें तथा कुल खाद्यान्न के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं औसत उपज़ के आंकड़े, कृषि जोतों की संख्या तथा क्षेत्रफल के आंकड़े सम्मिलित किये गये हैं।

मैं आशा करता हूं कि इस पुस्तिका में दिये गये आंकड़े कृषि क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों, प्रशासकों, शोध अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

यह पुस्तिका डॉ. अजय कुमार शर्मा, संयुक्त कृषि निदेशक (सांख्यिकी) के निर्देशन में सांख्यिकी अनुभाग में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारियों के सहयोग से तैयार की गई है।

इस पुस्तिका में संशोधन/सुधार हेतु प्राप्त सुझावों का स्वागत है।

दिनांक : 29, अप्रैल, 2016

(गौरी शंकर)
कृषि निदेशक
29/04/16